

आदेश-फलक

न्यायालय, उप समाहर्ता भूमि सुधार, बी...

वाद सं०- 101/12-13, श्री गोकुल राम वाम जग राम बर्मा

केस का प्रकार - BLDR ACT

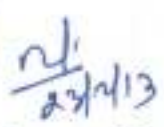

आदेश का क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर
<p align="center">23/2/13</p>	<p align="center"><u>आदेश</u></p> <p>अज्ञेय उपन्यासी अज्ञेय का प्रसिद्ध किया गया पत्रों के द्वारा पट्टा नक एवं लड़ते जवाब के प्रसिद्ध से यह बात उभर कर सामने आई है कि प्रसंग निम्नलिखित स्थान-161, खण्ड-124, खण्ड-1, नं० 17 पुर (पत्रा-10-15) मोता- केलिया, अंश- नं० 1 पर उपर्युक्त पत्र अज्ञेय दावा पूर्वजों की भूमि होने तथा उनके बीच हुए परिवार के द्वारा एक-दूसरे के आपस पर ही उपर्युक्त पत्र मूल अज्ञेय दावा के वंशज होने का दावा कर रहे हैं। लेकिन उपर्युक्त पत्र के द्वारा पट्टा वंशानुकी को जलन एवं लड़ते होने वाले कसब को आरोप एक पत्रकार के द्वारा हार्द परमार्थ पर लगाया जा रहा है।</p>

आदेश-फलक

न्यायालय, उप समाहर्ता भूमि सुधार, बेतिया

वाद सं०-

केस का प्रकार-

आदेश का क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर
	<p>उपर्युक्त वर्णित परिस्थिति में स्पष्ट है कि स्वामियों ने अनेक खनिजातों के वेगल क्षेत्रों में आधा ५८ एक-एकड़ तथा कचवाप में आधा ५८ एक-हिस्सा जिले का दावा कर रहे हैं लेकिन ठीकी भी पत्रों के द्वारा प्रस्ताव भूमि के कचवाप में प्राप्त क्षेत्रों के संकेत में कोई भी संपत्ति प्रस्ताव करने में असमर्थ रहे हैं। जिले ३१ न्यायालय के ठीकी न्याय-निर्णय पर पट्टे में सहित है।</p> <p>प्रस्ताव प्राप्त स्तव, एक-एकड़, हिस्सा के निर्धारण के द्वारा क्षेत्र तथा इस वर में स्तव निर्धारण के संश्लेषण के समाप्ति क्षेत्रों में बाण बिहाल भूमि के निर्माण अधिनियम २००५ की धारा ५(५) के तहत वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है तथा पत्रों के साथ न्यायालय में जाने के लिए सहाय की जाती है।</p> <p align="right">  न्यायालय, उप समाहर्ता भूमि सुधार, बेतिया </p> <p align="center">  </p>